भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मौसम केंद्र,बिरसा मुंडा विमानपत्तन
METEOROLOGICAL CENTRE, BIRSA MUNDA AIRPORT
राँची, झारखण्ड, पिन- 834002
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002
दूरभाष/Telephone: 2970311/2253254/2251709/253879 फैक्स/Fax: 0651-2251709/2253879
Website: http://mausam.imd.gov.in/ranchi/,e-mail: metranchi@gmail.com, mcranchi@rediffmail.com

Monday, 21st September, 2026
Time:1700 IST

प्रेस विज्ञप्ति - 02

पूर्व-मध्य और उससे लगे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने स्पष्ट कम दबाव के क्षेत्र (Well-Marked Low-Pressure Area)का झारखण्ड राज्य पर "प्रभाव आधारित पूर्वानुमान"

मौसम प्रणाली(Synoptic System) :

पूर्व-मध्य और उससे लगे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र (Well-marked Low Pressure area) पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा और आज, 21 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे, पश्चिम-मध्य तथा उससे लगे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इससे जुड़ा चक्रवातीय परिसंचरण (cyclonic circulation) औसत समुद्र तल से 7.6 किमी की ऊँचाई तक फैला हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक अवदाब (Depression) तथा उसके बाद के 24 घंटों के दौरान पश्चिम-मध्य और उससे लगे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरे अवदाब (Deep Depression) में तीव्र होने की बहुत संभावना है। पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते रहना जारी रखते हुए, इसके 23 सितंबर 2026 की सुबह के आसपास उत्तर आंध्र प्रदेश - दक्षिण ओडिशा तट के पास पहुँचने की बहुत संभावना है।

उपरोक्त मौसम प्रणाली का झारखण्ड राज्य पर निम्नलिखित प्रभाव की प्रबल सम्भावना है : -

- **21 से 26 सितंबर के दौरान झारखंड में अधिकांश स्थानों से लेकर लगभग सभी स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है।**

- **21 से 26 सितंबर के दौरान झारखंड में कहीं-कहीं पर गर्जन, वज्रपात तथा तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 21 एवं 22 सितम्बर को गर्जन ,वज्रपात के लिये ऑरेंज अलर्ट दिया गया है एवं हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा होने की संभावना है, जबकि 23 सितम्बर से प्रणाली के मजबूत होने के कारण हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा जो 60 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।**

- **22 से 26 सितंबर के दौरान झारखंड में कहीं -कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।**

मौसम की चेतावनी (झारखण्ड राज्य):

दिनांक	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला, हज़ारीबाग, खूंटी, रामगढ, लोहरदगा, कोडरमा, धनबाद) जिले	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ) जिले	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार) जिले	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज) जिले
21.09.26	राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर मध्यम दर्जे का गर्जन, वज्रपात तथा 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं पर गर्जन, वज्रपात तथा 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।			
22.09.26	1.राज्य में कहीं-कहीं पर मध्यम दर्जे का गर्जन, वज्रपात तथा 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 2. राज्य के दक्षिण-पूर्वी (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम एवं सराइकेला-खरसावा) भाग में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है।			
23.09.26	1.राज्य में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात तथा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 2.राज्य के दक्षिणी और मध्य (रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा, रामगढ़, बोकारो एवं धनबाद) भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है।			
24.09.26	राज्य के दक्षिणी (सिमडेगा एवं पश्चिमी सिंहभूम) और उससे लगे मध्य (रांची, गुमला एवं खूंटी) भागों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 1.राज्य में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात तथा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 2.राज्य के दक्षिण-पूर्वी (पूर्वी सिंहभूम एवं सराइकेला-खरसावा), मध्य (लोहरदगा, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो एवं धनबाद), तथा उनसे लगे उत्तर-पूर्वी (गिरिडीह) और उत्तर-पश्चिमी (लातेहार) भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है।			
25.09.26	1.राज्य में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात तथा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 2.राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है।			
26.09.26	1.राज्य में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात तथा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 2. राज्य में कहीं -कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है।			

*(किसी भी दिनांक को जारी पूर्वानुमान, अगले दिन के सुबह 0830 भा.मा.स. तक वैध है ।)

(भारी वर्षा,गर्जन/वज्रपात एवं आंधी (Heavy Rain,Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है ।)

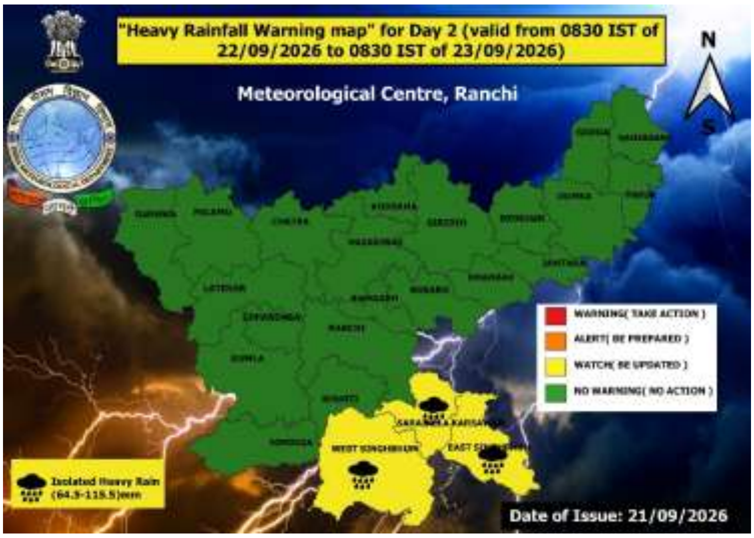

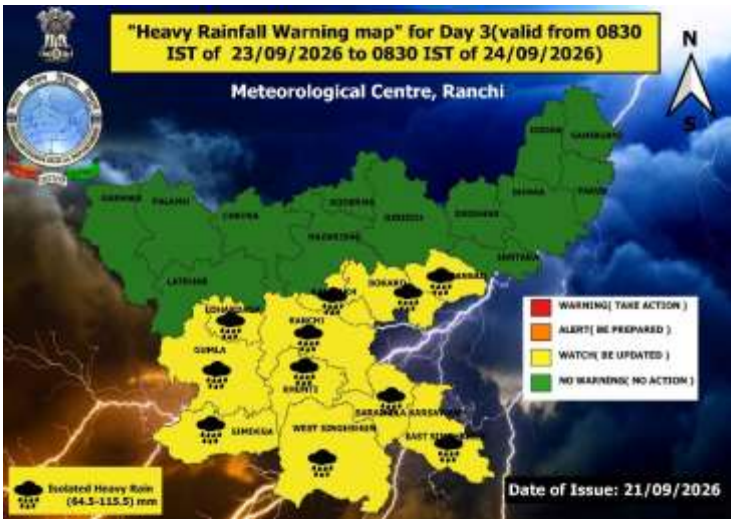

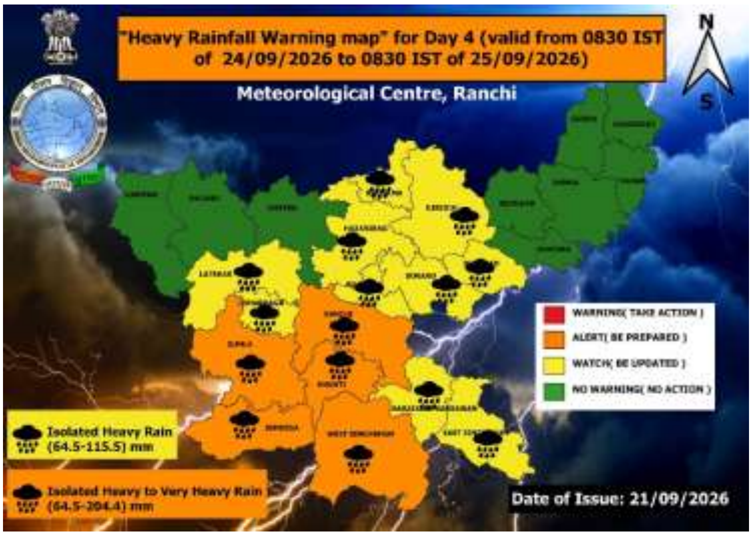
"Heavy Rainfall Warning map" for Day 4 (valid from 0830 IST of 24/09/2026 to 0830 IST of 25/09/2026)
Meteorological Centre, Ranchi
N
S
WARNING(TAKE ACTION)
ALERT(BE PREPARED)
WATCH(BE UPDATED)
NO WARNING(NO ACTION)
Isolated Heavy Rain (64.5-115.5) mm
Isolated Heavy to Very Heavy Rain (64.5-204.4) mm
Date of Issue: 21/09/2026

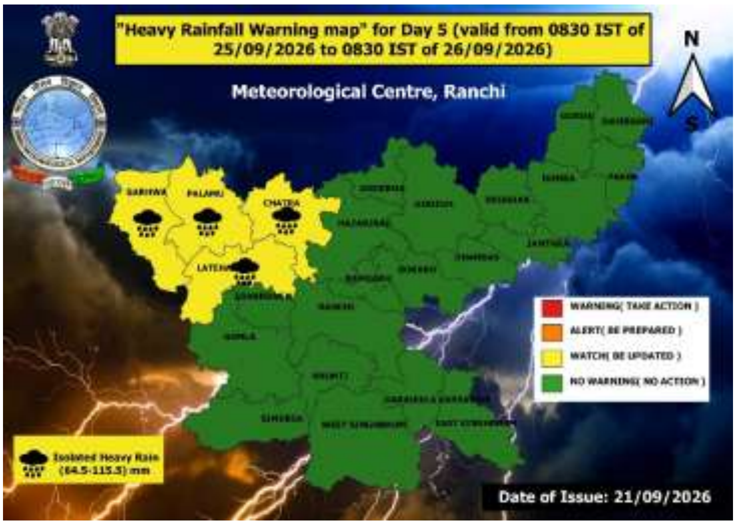
"Heavy Rainfall Warning map" for Day 5 (valid from 0830 IST of 25/09/2026 to 0830 IST of 26/09/2026)
Meteorological Centre, Ranchi
N
S
WARNING(TAKE ACTION)
ALERT(BE PREPARED)
WATCH(BE UPDATED)
NO WARNING(NO ACTION)
Isolated Heavy Rain (64.5-115.5) mm
Date of Issue: 21/09/2026

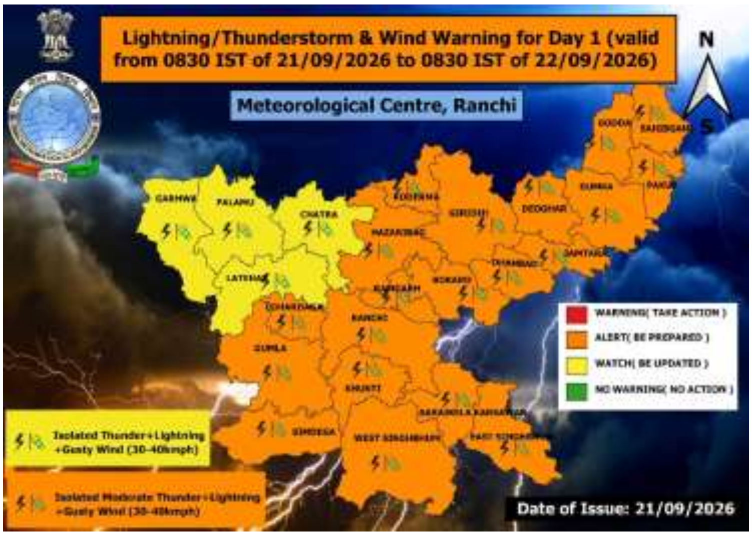
Lightning/Thunderstorm & Wind Warning for Day 1 (valid from 0830 IST of 21/09/2026 to 0830 IST of 22/09/2026)
Meteorological Centre, Ranchi
N
S
WARNING(TAKE ACTION)
ALERT(BE PREPARED)
WATCH(BE UPDATED)
NO WARNING(NO ACTION)
Isolated Thunder+Lightning +Gusty Wind (30-40kmph)
Isolated Moderate Thunder+Lightning +Gusty Wind (30-40kmph)
Date of Issue: 21/09/2026

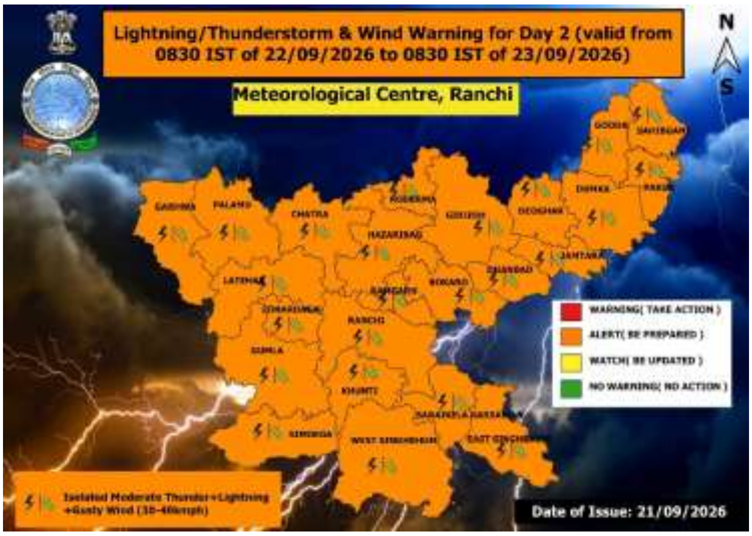
Lightning/Thunderstorm & Wind Warning for Day 2 (valid from 0830 IST of 22/09/2026 to 0830 IST of 23/09/2026)
Meteorological Centre, Ranchi
N
S
WARNING(TAKE ACTION)
ALERT(BE PREPARED)
WATCH(BE UPDATED)
NO WARNING(NO ACTION)
Isolated Moderate Thunder+Lightning +Gusty Wind (30-40kmph)
Date of Issue: 21/09/2026

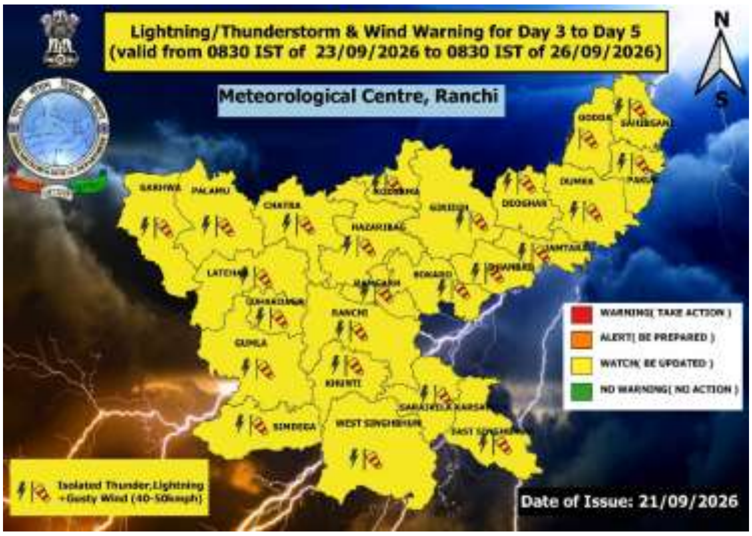
Lightning/Thunderstorm & Wind Warning for Day 3 to Day 5 (valid from 0830 IST of 23/09/2026 to 0830 IST of 26/09/2026)
Meteorological Centre, Ranchi
N
S
WARNING(TAKE ACTION)
ALERT(BE PREPARED)
WATCH(BE UPDATED)
NO WARNING(NO ACTION)
Isolated Thunder,Lightning +Gusty Wind (40-50kmph)
Date of Issue: 21/09/2026

भारी वर्षा (Heavy Rainfall) से संभावित प्रभाव और बचाव

- **अपेक्षित प्रभाव:**

    - निचले इलाकों, शहरी क्षेत्रों और सड़कों पर जलजमाव (Waterlogging) हो सकता है, जिससे यातायात बाधित होने की संभावना है।
    - कच्चे मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों और कमजोर दीवारों को आंशिक या भारी नुकसान पहुंच सकता है।
    - नदियों और नालों के जलस्तर में अचानक वृद्धि (Flash Floods) के कारण निचले ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
    - खेतों में अत्यधिक पानी जमा होने से खड़ी फसलों (विशेषकर धान और सब्जियों) को भारी नुकसान हो सकता है।
    - दृश्यता (Visibility) कम होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

- **कार्रवाई का सुझाव:**

    - यदि बहुत आवश्यक न हो, तो भारी बारिश के दौरान घर से बाहर निकलने या यात्रा करने से बचें।
    - जलभराव वाले रास्तों, सब-वे और कमजोर पुल/पुलिया को पैदल या वाहन से पार करने का प्रयास बिल्कुल न करें।
    - जलजमाव की स्थिति में बिजली के खंभों, तारों और ट्रांसफार्मर से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
    - घरों में पानी घुसने की स्थिति में बिजली के उपकरणों का उपयोग बंद कर दें और मुख्य स्विच (Main Switch) को ऑफ कर दें।
    - किसान भाई अपने खेतों से अतिरिक्त पानी की सुरक्षित निकासी (Drainage) के लिए तुरंत नालियों का उचित प्रबंध करें।
    - आपातकालीन स्थिति के लिए पीने का साफ पानी, सूखी खाद्य सामग्री, टॉर्च और जरूरी दवाइयां सुरक्षित स्थान पर पहले से रखें।
    - मौसम विभाग (IMD) द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक चेतावनियों और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का लगातार पालन करें।

[गर्जन वज्रपात व आंधी (Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) से संभावित प्रभाव और बचाव।]

- **प्रभाव अपेक्षित:**
    - आंधी तूफान से वृक्षारोपण, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
    - खुले स्थानों पर वज्रपात लोगों और मवेशियों को घायल कर सकता है।

- **कार्रवाई का सुझाव:**
    - घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद करें और यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।
    - सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें.
    - कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सामने न रहें।
    - विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
    - तुरंत जलस्रोतों से बाहर निकलें।
    - बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची

भारी वर्षा का कृषि पर संभावित प्रभाव एवं बचाव के सुझाव :

Crop	Impact	Advisory
धान (रोपाई वाली फसल)	अस्थायी जलभराव, पोषक तत्वों की हानि और जीवाणु/फफूंदी रोगों का खतरा बढ़ जाता है।	नीचे खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें, बारिश के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दें, और यूरिया की ऊपरी खाद डालने से बचें या इसे तुरंत स्थगित कर दें।
धान (कल्ले फूटने की अवस्था)	पानी के जमाव से कल्ले और जड़ों तक हवा पहुँचने में कमी आ सकती है, लंबे समय तक पानी में डूबे रहने से खड़ी फसल पीली पड़ सकती है।	अतिरिक्त पानी निकाल दें, पानी निकालने के बाद खेत में नियमित गहराई तक पानी बनाए रखें और तना छेदक (stem borer), BPH और बीमारी के लक्षणों की निगरानी रखें।
मक्का (वानस्पतिक अवस्था)	जल-जमाव, जड़ों का सड़ना, पीला पड़ना, पोषक तत्वों का बह जाना और फसल का गिरना	पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें और खेत से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
अरहर	पौधों की जड़ों के आस-पास पानी जमा होने से तने और जड़ों की बीमारियाँ हो सकती हैं और पौधे गिर सकते हैं।	पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें और खेत से अतिरिक्त पानी हटा दें।
सब्जियाँ	पानी का जमाव, जड़ों का सड़ना, पोषक तत्वों का नुकसान, फूल/फल का झड़ना और फंगल/बैक्टीरियल बीमारियों का बढ़ना।	क्यारी के चारों ओर पानी की निकासी का इंतज़ाम करें, जमा हुआ पानी हटाएँ, कमज़ोर पौधों को सहारा दें, बारिश के दौरान कटाई/छिड़काव न करें, और बारिश के बाद बीमारियों पर बारीकी से नज़र रखें।
सब्जी की नर्सरी	पौधों का डैम्पिंग-ऑफ (जड़ सड़न), उखड़ना और पोषक तत्वों का बह जाना	तुरंत जल निकासी की व्यवस्था करें और बारिश के बाद रोगग्रस्त पौधों को हटा दें।
पशुपालन	पालतू जानवरों को खुले में न छोड़ें, मौसम का हाल जानने के बाद ही उन्हें बाहर ले जाएं। पक्का करें कि उनके रहने की जगह अच्छी तरह ढकी हुई हो।	
वर्षा जल संचयन	ज़मीन के सबसे निचले हिस्से में, कुल ज़मीन के दसवें हिस्से का इस्तेमाल करके एक खेत में 'डोभा' बनाकर बारिश के पानी को वहीं जमा करें और उसका संरक्षण करें। ढलान के निचले सिरे पर 10’x10’x10’ का गड्ढा खोदें, इससे सूखे के समय फ़सलों की पानी की ज़रूरतें पूरी करने में मदद मिल सकती है।	

पूर्वानुमान अधिकारी

मौसम केंद्र राँची